Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

Media Release

Chief Minister – Mizoram and Director General – EDII discuss the launch of Mizoram Entrepreneurship Development Institute (MEDI)

A delegation led by Dr. Sunil Shukla, Director General – EDII visited Mizoram on 17 & 18 September 2025 to take forward advanced discussions on the establishment of Mizoram Entrepreneurship Development Institute (MEDI). The proposed Institute would work towards propagating entrepreneurship in the state by catering to training, skill development and hand-holding support.

Hon'ble Chief Minister, Shri Laldohoma acknowledged the huge potential of the project and ensured its quick implementation. Hon'ble CM said, "The State abounds in diverse resources. Industry, agriculture, sericulture, food processing and even MSME growth & development, are some of the sectors, which if tapped could open up plentiful opportunities. Training, counselling and incubation of ideas could go a long way in tapping the right resources to build a trail of entrepreneurial successes. We look forward to EDII's support in achieving this dream of setting up MEDI. A special Coordination Committee will be formed and various State Departments would be brought together to place this initiative on fast track. " During the visit, Dr. Shukla also interacted with Hon'ble Governor of Mizoram, General (Dr) Vijay Kumar Singh, PVSM, AVSM, YSM (Retd); Director, Department of Higher and Technical Education, Government of Mizoram, Shri Cheemala Siva Gopal Reddy, IAS, among several senior state officials. The Hon'ble Governor, stated, "The State prides on its resource reserve and these hold the capability of being converted into progressive enterprises. All I seek is that the resources must get harnessed but without affecting the ecology and the environment. Tourism especially holds huge potential and scope of entrepreneurial innovations and progress. Concepts of homestays such as Mizohuts can be explored, which I am sure would be hugely preferred by tourists. I see this initiative as highly rewarding."

Sectors such as handicrafts & handlooms; agriculture; bamboo products industry; MSMEs, pharmaceuticals, healthcare, education etc. can be rightfully tapped to ensure viable enterprises through a specially curated strategy and module. The State is also witnessing emergence of a creative and ambitious brigade of youth who have ideas, are eager to innovate and experiment but require a training & direction. EDII looks forward to especially focusing on youths and women, in addition to MSMEs to create a wholesome entrepreneurial economy in Mizoram.

Opining on this landmark move, Dr. Sunil Shukla, Director General – EDII said, "Mizoram economy, with its unique resources is extraordinary, and it indeed should be closely aligned with the national priorities of entrepreneurship & start up promotion. While the State machinery is highly supportive, the people are also equally cooperative, willing to learn and explore. I am sure this initiative would lead to worthwhile results."

EDII has already handheld 12 State Governments, in addition to the Governments of Cambodia, Laos, Myanmar and Vietnam to set up ED Centres in their respective regions. In addition to this, recently EDII has been beckoned by several more State Governments to set up State-supported Entrepreneurship Development Centres. These include Uttarakhand, Goa, Chhattisgarh and several other states of the North Eastern Region, in addition to Mizoram. The activities have commenced in Goa, Uttarakhand and Chhattisgarh with tangible results.

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

Publication: Rajasthan Patrika
Date: 20 September 2025
Edition: Ahmedabad
Page: 02

मिजोरम के सीएम, ईडीआइआइ महानिदेशक के बीच चर्चा में बनी सहमति

मिजोरम में उद्यमिता विकास संस्थान की स्थापना में मददगार होगा ईडीआइआइ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआइआइ) गांधीनगर अब पूर्वोत्तर के राज्य मिजोरम में उद्यमिता के विकास को बढ़ावा देगा। इसके लिए मिजोरम उद्यमिता विकास संस्थान (मेडी) को स्थापित करने में मददगार होगा।

मिजोरम के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे ईडीआइआइ के महानिदेशक डॉ.सुनील शुक्ला की अगुवाई वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने मुलाकात में इसो लेकर चर्चा की। बैठक में मेडी को स्थापित करने के कार्य पर शीघ्र कदम उठाने पर सहमति बनी है।

मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने बैठक में कहा कि राज्य विविध संसाधनों से परिपूर्ण है। उद्योग, कृषि, रेशम उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण तथा एमएसएमई के विकास जैसे क्षेत्र यदि सही ढंग से उपयोग में लाए जाएं तो अपार अवसरों के द्वार खुल सकते हैं। प्रशिक्षण, परामर्श और विचारों का इनक्यूबेशन सही संसाधनों को दिशा देकर उद्यमिता सफलता की नई श्रृंखला तैयार कर सकता है। इसके लिए ईडीआइआइ के सहयोग से मेडी की स्थापना के सपने को साकार करने की ओर हम आशान्वित हैं।

प्रतिनिधि मंडल ने मिजोरम के राज्यपाल जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह, मिजोरम के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा निदेशक चीमला शिव गोपाल रेड्डी सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों से भी बातचीत की।

मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोम से मुलाकात करते ईडीआइआइ महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला। साथ हैं प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्य व अधिकारी।

विशेष समन्वय समिति का होगा गठन

लालदुहोमा ने कहा कि इस दिशा में एक विशेष समन्वय समिति का गठन किया जाएगा। राज्य के विभिन्न विभागों को एक साथ लाकर इस पहल को गति प्रदान की जाएगी।

उद्यमिता विकास को मिजोरम सरकार सहायक

ईडीआइआइ के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा कि मिजोरम की अर्थव्यवस्था अपने विशिष्ट संसाधनों के साथ असाधारण है। वास्तव में इसे उद्यमिता और स्टार्टअप प्रोत्साहन की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ घनिष्ठ रूप से जोड़ा जाना चाहिए। राज्य मशीनरी तो सहायक है ही लोग भी सीखने और खोज करने के इच्छुक हैं। मुझे विश्वास है कि यह पहल सार्थक पारिणाम लाएगी।

12 राज्यों, 4 देशों की सरकार को की मदद

शुक्ला ने बताया कि ईडीआइआइ इससे पहले देश की 12 राज्य सरकारों के साथ-साथ कंबोडिया, लाओस, म्यांमार और वियतनाम की सरकारों को उनके-अपने क्षेत्रों में उद्यमिता विकास केंद्र स्थापित करने में मदद कर चुका है। हाल ही में गोवा, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ में भी गतिविधियां शुरू की गई हैं, जिसके ठोस परिणाम भी आए हैं।

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

Publication: Navbharat
Date: 20 September 2025
Edition: Nagpur
Page: 02

इंस्टीट्यूट की स्थापना को लेकर की चर्चा

जालना. ईडीआईआई के डायरेक्टर जनरल डॉ. सुनील शुक्ला नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने 17 एवं 18 सितंबर को दौरा किया. इस दौरान मिज़ोरम एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट की स्थापना को लेकर विस्तृत चर्चा हुई. प्रस्तावित संस्थान राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण, कौशल विकास तथा मार्गदर्शन सहयोग प्रदान करेगा. मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने इस परियोजना की संभावनाओं को स्वीकार कर आश्वासन दिया. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य संसाधनों से परिपूर्ण है. उद्योग, कृषि, रेशम उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण तथा एमएसएमई के विकास जैसे क्षेत्र यदि सही ढंग से उपयोग में लाए जाएं तो यह अपार अवसरों के द्वार खोल सकते हैं. प्रशिक्षण, परामर्श और विचारों का इनक्यूबेशन सही संसाधनों को दिशा देकर उद्यमिता सफलता की नई श्रृंखला तैयार कर सकता है. हम ईडीआईआई के सहयोग से MEDI की स्थापना के इस सपने को साकार करने की ओर आशान्वित हैं.

Entrepreneurship
Development
Institute of India
Ahmedabad

Publication: Canon Times
Date: 20 September 2025
Edition: Bhopal
Page: 06

मुख्यमंत्री मिज़ोरम एवं डायरेक्टर जनरल : ईडीआईआई ने मिज़ोरम एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (MEDI) की स्थापना पर की चर्चा

अहमदाबाद, 19 सितंबर 2025: डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने 17 एवं 18 सितंबर 2025 को मिज़ोरम का दौरा किया। इस दौरान मिज़ोरम एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (MEDI) की स्थापना को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। प्रस्तावित संस्थान राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण, कौशल विकास तथा मार्गदर्शन सहयोग प्रदान करेगा।

माननीय मुख्यमंत्री श्री लालदुहोमा ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की विशाल संभावनाओं को स्वीकार करते हुए इसके शीघ्र क्रियान्वयन का आश्वासन दिया। माननीय मुख्यमंत्री ने कहा, ÷राज्य विविध संसाधनों से परिपूर्ण है। उद्योग, कृषि, रेशम उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण तथा एमएसएमई के विकास जैसे क्षेत्र यदि सही ढंग से उपयोग में लाए जाएं तो यह अपार अवसरों के द्वार खोल सकते हैं। प्रशिक्षण, परामर्श और विचारों का इनक्यूबेशन सही संसाधनों को दिशा देकर उद्यमिता सफलता की नई श्रृंखला तैयार कर सकता है। हम ईडीआईआई के सहयोग से स्थ्राष्ठ्ठ की स्थापना के इस सपने को साकार करने की ओर आशान्वित हैं। इस दिशा में एक विशेष समन्वय समिति का गठन किया जाएगा और विभिन्न राज्य विभागों को एक साथ लाकर इस पहल को तीव्र गति प्रदान की जाएगी। दौरे के दौरान, डॉ. सुनील शुक्ला ने माननीय राज्यपाल मिज़ोरम, जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम (सेवानिवृत्त); श्री चीमला शिव गोपाल रेड्डी, आईएएस, निदेशक, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, मिज़ोरम सरकार सहित कई वरिष्ठ राज्य अधिकारियों से भी बातचीत की। माननीय राज्यपाल ने कहा, ÷राज्य अपने संसाधन भंडार पर गर्व करता है और इनमें प्रगतिशील उद्यमों में परिवर्तित होने की क्षमता है। मेरी केवल यही अपेक्षा है कि संसाधनों का उपयोग अवश्य हो, परंतु पारिस्थितिकी और पर्यावरण पर कोई प्रभाव न पड़े। पर्यटन विशेष रूप से अपार संभावनाओं और उद्यमी नवाचार तथा प्रगति के क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। मिजोहट्स जैसी होमस्टे की अवधारणाओं का अन्वेषण किया जा सकता है, जिनको पर्यटकों द्वारा निश्चित रूप से बडा पसंद किया जायेगा। मैं इस पहल को अत्यंत लाभकारी मानता हूँ।

हस्तशिल्प और हथकरघा, कृषि, बांस उत्पाद उद्योग, एमएसएमई, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा आदि जैसे क्षेत्रों को विशेष रूप से तैयार की गई रणनीति और मॉड्यूल के माध्यम से व्यवहार्य उद्यमों में बदला जा सकता है। राज्य में एक रचनात्मक और महत्वाकांक्षी युवा वर्ग भी उभर रहा है, जिनके पास विचार हैं, जो नवाचार और प्रयोग करने के इच्छुक हैं, लेकिन उन्हें प्रशिक्षण और दिशा की आवश्यकता है।ईडीआईआई विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं

पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ एमएसएमई पर भी ध्यान देगा, ताकि मिज़ोरम में एक समग्र उद्यमशील अर्थव्यवस्था का निर्माण हो सके।

इस ऐतिहासिक कदम पर अपनी राय व्यक्त करते हुए, डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा,

मिज़ोरम की अर्थव्यवस्था अपने विशिष्ट संसाधनों के साथ असाधारण है, और वास्तव में इसे उद्यमिता और स्टार्टअप प्रोत्साहन की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ घनिष्ठ रूप से जोड़ा जाना चाहिए। जहाँ राज्य मशीनरी अत्यधिक सहायक है, वहीं लोग भी उतने ही सहयोगी हैं, सीखने और खोज करने के इच्छुक हैं। मुझे विश्वास है कि यह पहल सार्थक परिणामों की ओर ले जाएगी। ईडीआईआई पहले ही 12 राज्य सरकारों के साथ-साथ कंबोडिया, लाओस, म्यांमार और वियतनाम की सरकारों को उनके-अपने क्षेत्रों में ईडी केंद्र स्थापित करने में सहयोग प्रदान कर चुका है। इसके अतिरिक्त हाल ही में कई और राज्य सरकारों ने ईडीआईआई को राज्य समर्थित एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेंटर्स स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया है। इनमें उत्तराखंड, गोवा, छत्तीसगढ़ और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के कई अन्य राज्य शामिल हैं, मिज़ोरम के अतिरिक्त। गोवा, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ में गतिविधियाँ शुरू हो चुकी हैं और ठोस परिणाम सामने आए हैं।

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

Publication: Western Times
Date: 21 September 2025
Edition: Ahmedabad
Page: 04

Mizoram CM and Director General – EDII discuss the launch of Mizoram Entrepreneurship Development Institute (MEDI)

Ahmedabad, A delegation led by Dr. Sunil Shukla, Director General – EDII visited Mizoram on 17 & 18 September 2025 to take forward advanced discussions on the establishment of Mizoram Entrepreneurship Development Institute (MEDI). The proposed Institute would work towards propagating entrepreneurship in the state by catering to training, skill development and hand-holding support.

Chief Minister, Shri Laldohoma acknowledged the huge potential of the project and ensured its quick implementation. Hon'ble CM said, "The State abounds in diverse resources. Industry, agriculture, sericulture, food processing and even MSME growth & development, are some of the sectors, which if tapped could open up plentiful opportunities. Training, counselling and incubation of ideas could go a long way in tapping the right resources to build a trail of entrepreneurial successes. We look forward to EDII's support in achieving this dream of setting up MEDI. A special Coordination Committee will be formed and various State Departments would be brought together to place this initiative on fast track."

During the visit, Dr. Shukla also interacted with Hon'ble Governor of Mizoram, General (Dr) Vijay Kumar Singh, PVSM, AVSM, YSM (Retd); Director, Department of Higher and Technical Education, Government of Mizoram, Shri Cheemala Siva Gopal Reddy, IAS, among several senior state officials. The Hon'ble Governor, stated, "The State prides on its resource reserve and these hold the capability of being converted into progressive enterprises. All I seek is that the resources must get harnessed but without affecting the ecology and the environment. Tourism especially holds huge potential and scope of entrepreneurial innovations and progress. Concepts of homestays such as Mizo-huts can be explored, which I am sure would be hugely preferred by tourists. I see this initiative as highly rewarding."

Sectors such as handicrafts & handlooms; agriculture; bamboo products industry; MSMEs, pharmaceuticals, healthcare, education etc. can be rightfully tapped to ensure viable enterprises through a specially curated strategy and module.

The State is also witnessing emergence of a creative and ambitious brigade of youth who have ideas, are eager to innovate and experiment but require a training & direction. EDII looks forward to especially focusing on youths and women, in addition to MSMEs to create a wholesome entrepreneurial economy in Mizoram.

Opining on this landmark move, Dr. Sunil Shukla, Director General – EDII said, "Mizoram economy, with its unique resources is extraordinary, and it indeed should be closely aligned with the national priorities of entrepreneurship & start up promotion. While the State machinery is highly supportive, the people are also equally cooperative, willing to learn and explore. I am sure this initiative would lead to worthwhile results."

EDII has already handheld 12 State Governments, in addition to the Governments of Cambodia, Laos, Myanmar and Vietnam to set up ED Centres in their respective regions. In addition to this, recently EDII has been beckoned by several more State Governments to set up State-supported Entrepreneurship Development Centres. These include Uttarakhand, Goa, Chhattisgarh and several other states of the North Eastern Region, in addition to Mizoram. The activities have commenced in Goa, Uttarakhand and Chhattisgarh with tangible results.

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

Publication: Swadesh
Date: 21 September 2025
Edition: Bhopal
Page:10

ईडीआईआई ने एमईडीआई की स्थापना पर की चर्चा

एजेंसी, अहमदाबाद

ईडीआईआई के डायरेक्टर जनरल डॉ. सुनील शुक्ला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मिजोरम का दौरा किया। इस दौरान मिजोरम एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एमईडीआई) की स्थापना को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। प्रस्तावित संस्थान राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण, कौशल विकास तथा मार्गदर्शन सहयोग प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की विशाल संभावनाओं को स्वीकार करते हुए इसके शीघ्र क्रियान्वयन का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहाकि राज्य विविध संसाधनों से परिपूर्ण है। उद्योग, कृषि, रेशम उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण तथा एमएसएमई के विकास जैसे क्षेत्र यदि सही ढंग से उपयोग में लाए जाएं तो यह अपार अवसरों के द्वार खोल सकते हैं। प्रशिक्षण, परामर्श और विचारों का इनक्यूबेशन सही संसाधनों को दिशा देकर उद्यमिता सफलता की नई श्रृंखला तैयार कर सकता है। दौरे के दौरान डॉ. सुनील शुक्ला ने माननीय राज्यपाल मिजोरम, जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम (सेवानिवृत्त), चीमला शिव गोपाल रेड्डी, आईएएस, निदेशक, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, मिजोरम सरकार सहित कई वरिष्ठ राज्य अधिकारियों से भी बातचीत की।

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

Publication: Indian Era
Date: 23 September 2025
Edition: Bhubaneshwar
Page: 07

Chief Minister – Mizoram and Director General – EDII discuss the launch of MEDI

Ahmedabad, (ENS):A delegation led by Dr. Sunil Shukla, Director General – EDII visited Mizoram on 17 & 18 September 2025 to take forward advanced discussions on the establishment of Mizoram Entrepreneurship Development Institute (MEDI). The proposed Institute would work towards propagating entrepreneurship in the state by catering to training, skill development and hand-holding support.

Hon'ble Chief Minister, Shri Laldohoma acknowledged the huge potential of the project and ensured its quick implementation. Hon'ble CM said, "The State abounds in diverse resources. Industry, agriculture, sericulture, food processing and even MSME growth & development, are some of the sectors, which if tapped could open up plentiful opportunities. Training, counselling and incubation of ideas could go a long way in tapping the right resources to build a trail of entrepreneurial successes. We look forward to EDII's support in achieving this dream of setting up MEDI. A special Coordination Committee will be formed and various State Departments would be brought together to place this initiative on fast track."

During the visit, Dr. Shukla also interacted with Hon'ble Governor of Mizoram, General (Dr) Vijay Kumar Singh, PVSM, AVSM, YSM (Retd); Director, Department of Higher and Technical Education, Government of Mizoram, ShriCheemala Siva Gopal Reddy, IAS, among several senior state officials.

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

Publication: Orissa Today
Date: 23 September 2025
Edition: Bhubaneshwar
Page: 07

Chief Minister – Mizoram and Director General – EDII discuss the launch of Mizoram Entrepreneurship Development Institute (MEDI)

Ahmedabad ,(TNB): A delegation led by Dr. Sunil Shukla, Director General – EDII visited Mizoram on 17 & 18 September 2025 to take forward advanced discussions on the establishment of Mizoram Entrepreneurship Development Institute (MEDI). The proposed Institute would work towards propagating entrepreneurship in the state by catering to training, skill development and hand-holding support.

Hon'ble Chief Minister, Shri Laldohoma acknowledged the huge potential of the project and ensured its quick implementation. Hon'ble CM said, "The State abounds in diverse resources. Industry, agriculture, sericulture, food processing and even MSME growth & development, are some of the sectors, which if tapped could open up plentiful opportunities. Training, counselling and incubation of ideas could go a long way in tapping the right resources to build a trail of entrepreneurial successes. We look forward to EDII's support in achieving this dream of setting up MEDI. A special Coordination Committee will be formed and various State Departments would be brought together to place this initiative on fast track. "

During the visit, Dr. Shukla also interacted with Hon'ble Governor of Mizoram, General (Dr) Vijay Kumar Singh, PVSM, AVSM, YSM (Retd); Director, Department of Higher and Technical Education, Government of Mizoram, Shri Cheemala Siva Gopal Reddy, IAS, among several senior state officials. Sectors such as handicrafts & handlooms; agriculture; bamboo products industry; MSMEs, pharmaceuticals, healthcare, education etc. can be rightfully tapped to ensure viable enterprises through a specially curated strategy and module. The State is also witnessing emergence of a creative and ambitious brigade of youth who have ideas, are eager to innovate and experiment but require a training & direction. EDII looks forward to especially focusing on youths and women, in addition to MSMEs to create a wholesome entrepreneurial economy in Mizoram.Opining on this landmark move, Dr. Sunil Shukla, Director General – EDII said, "Mizoram economy, with its unique resources is extraordinary, and it indeed should be closely aligned with the national priorities of entrepreneurship & start up promotion. While the State machinery is highly supportive, the people are also equally cooperative, willing to learn and explore. I am sure this initiative would lead to worthwhile results."

Entrepreneurship
Development
Institute of India
Ahmedabad

Publication: Aam Sabha
Date: 20 September 2025
Edition: Bhopal
Page: 01

मिज़ोरम में उद्यमिता को नई उड़ान : मुख्यमंत्री व ईडीआईआई के डायरेक्टर जनरल ने MEDI स्थापना पर की विस्तृत चर्चा

आम सभा, अहमदाबाद। मिज़ोरम में उद्यमिता और कौशल विकास को सशक्त बनाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए मिज़ोरम एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (MEDI) की स्थापना पर सहमति बनी है। इस दिशा में 17 एवं 18 सितंबर को ईडीआईआई (एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया) के डायरेक्टर जनरल डॉ. सुनील शुक्ला के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मिज़ोरम का दौरा किया और मुख्यमंत्री श्री लालदुहोमा से विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को %राज्य के लिए अवसरों का द्वार% बताते हुए इसके शीघ्र क्रियान्वयन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि

मिज़ोरम प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है, और यदि उद्योग, कृषि, रेशम, खाद्य प्रसंस्करण व एमएसएमई क्षेत्रों का सही उपयोग किया जाए तो राज्य में रोजगार और नवाचार की असीम संभावनाएँ खुलेंगी। मुख्यमंत्री ने स्ब्रष्ठद्ध की स्थापना के लिए विशेष समन्वय समिति गठित करने और विभिन्न विभागों को जोड़ने की घोषणा की। दौरे के दौरान डॉ. शुक्ला ने राज्यपाल जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त), उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के निदेशक श्री चीमला शिव गोपाल रेड्डी, आईएएस और कई वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। राज्यपाल ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य अपने संसाधनों पर गर्व करता है और उनमें से अनेक प्रगतिशील उद्यमों में बदले जा सकते हैं। बस यह सुनिश्चित किया जाए कि पर्यावरण और पारिस्थितिकी पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। उन्होंने पर्यटन क्षेत्र, विशेषकर मिजोहट्स जैसी होमस्टे अवधारणाओं में अपार संभावनाओं की ओर इशारा किया।

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

Publication: Manch Manthan
Date: 20 September 2025
Edition: Bhopal
Page: 01

मुख्यमंत्री – मिज़ोरम एवं डायरेक्टर जनरल– ईडीआईआई ने मिज़ोरम एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (MEDI) की स्थापना पर की चर्चा

मंच मंथन, आशीष श्रीवास्तव, अहमदाबाद डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने 17 एवं 18 सितंबर 2025 को मिज़ोरम का दौरा किया। इस दौरान मिज़ोरम एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (MEDI) की स्थापना को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। प्रस्तावित संस्थान राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण, कौशल विकास तथा मार्गदर्शन सहयोग प्रदान करेगा।

माननीय मुख्यमंत्री श्री लालदुहोमा ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की विशाल संभावनाओं को स्वीकार करते हुए इसके शीघ्र क्रियान्वयन का आश्वासन दिया। माननीय मुख्यमंत्री ने कहा, "राज्य विविध संसाधनों से परिपूर्ण है। उद्योग, कृषि, रेशम उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण तथा एमएसएमई के विकास जैसे क्षेत्र यदि सही ढंग से उपयोग में लाए जाएं तो यह अपार अवसरों के द्वार खोल सकते हैं। प्रशिक्षण, परामर्श और विचारों का इनक्यूबेशन सही संसाधनों को दिशा देकर उद्यमिता सफलता की नई श्रृंखला तैयार कर सकता है। हम ईडीआईआई के सहयोग से MEDI की स्थापना के इस सपने को साकार करने की ओर आशान्वित हैं। इस दिशा में एक विशेष समन्वय समिति का गठन किया जाएगा और विभिन्न राज्य विभागों को एक साथ लाकर इस पहल को तीव्र गति प्रदान की जाएगी।

दौरे के दौरान, डॉ. सुनील शुक्ला ने माननीय राज्यपाल मिज़ोरम, जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम (सेवानिवृत्त); श्री चीमला शिव गोपाल रेड्डी, आईएएस, निदेशक, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, मिज़ोरम सरकार सहित कई वरिष्ठ राज्य अधिकारियों से भी बातचीत की। माननीय राज्यपाल ने कहा, राज्य अपने संसाधन भंडार पर गर्व करता है और इनमें प्रगतिशील उद्यमों में परिवर्तित होने की क्षमता है। मेरी केवल यही अपेक्षा है कि संसाधनों का उपयोग अवश्य हो, परंतु पारिस्थितिकी और पर्यावरण पर कोई प्रभाव न पड़े। पर्यटन विशेष रूप से अपार संभावनाओं और उद्यमी

नवाचार तथा प्रगति के क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। मिजोहट्स जैसी होमस्टे की अवधारणाओं का अन्वेषण किया जा सकता है, जिनको पर्यटकों द्वारा निश्चित रूप से बडा पसंद किया जायेगा। मैं इस पहल को अत्यंत लाभकारी मानता हूँ।

हस्तशिल्प और हथकरघा, कृषि, बांस उत्पाद उद्योग, एमएसएमई, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा आदि जैसे क्षेत्रों को विशेष रूप से तैयार की गई रणनीति और मॉड्यूल के माध्यम से व्यवहार्य उद्यमों में बदला जा सकता है। राज्य में एक रचनात्मक और महत्वाकांक्षी युवा वर्ग भी उभर रहा है, जिनके पास विचार हैं, जो नवाचार और प्रयोग करने के इच्छुक हैं, लेकिन उन्हें प्रशिक्षण और दिशा की आवश्यकता है।ईडीआईआई विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ एमएसएमई पर भी ध्यान देगा, ताकि मिज़ोरम में एक समग्र उद्यमशील अर्थव्यवस्था का निर्माण हो सके। इस ऐतिहासिक कदम पर अपनी राय व्यक्त करते हुए, डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा, मिज़ोरम की अर्थव्यवस्था अपने विशिष्ट संसाधनों के साथ असाधारण है, और वास्तव में इसे उद्यमिता और स्टार्टअप प्रोत्साहन की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ घनिष्ठ रूप से जोड़ा जाना चाहिए। जहाँ राज्य मशीनरी अत्यधिक सहायक है, वहीं लोग भी उतने ही सहयोगी हैं, सीखने और खोज करने के इच्छुक हैं। मुझे विश्वास है कि यह पहल सार्थक परिणामों की ओर ले जाएगी।

ईडीआईआई पहले ही 12 राज्य सरकारों के साथ-साथ कंबोडिया, लाओस, म्यांमार और वियतनाम की सरकारों को उनके-अपने क्षेत्रों में ईडी केंद्र स्थापित करने में सहयोग प्रदान कर चुका है। इसके अतिरिक्त हाल ही में कई और राज्य सरकारों ने ईडीआईआई को राज्य समर्थित एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेंटर्स स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया है। इनमें उत्तराखंड, गोवा, छत्तीसगढ़ और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के कई अन्य राज्य शामिल हैं, मिज़ोरम के अतिरिक्त। गोवा, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ में गतिविधियाँ शुरू हो चुकी हैं और ठोस परिणाम सामने आए हैं।

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

Publication: Hari Bhoomi
Date: 20 September 2025
Edition: Bhopal
Page: 07

ईडीआईआई ने एमईडीआई की स्थापना पर की चर्चा

अहमदाबाद। ईडीआईआई के डायरेक्टर जनरल डॉ. सुनील शुक्ला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मिजोरम का दौरा किया। इस दौरान मिजोरम एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एमईडीआई) की स्थापना को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। प्रस्तावित संस्थान राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण, कौशल विकास तथा मार्गदर्शन सहयोग प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की विशाल संभावनाओं को स्वीकार करते हुए इसके शीघ्र क्रियान्वयन का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहाकि राज्य विविध संसाधनों से परिपूर्ण है। इस मौके पर डॉ. सुनील शुक्ला ने माननीय राज्यपाल मिजोरम, जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम (सेवानिवृत्त), चीमला शिव गोपाल रेड्डी, आईएएस, निदेशक, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, मिजोरम सरकार सहित कई वरिष्ठ राज्य अधिकारियों से भी बातचीत की।

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

Publication: Fine Times
Date: 20 September 2025
Edition: Bhopal
Page: 07

मुख्यमंत्री- मिज़ोरम एवं डायरेक्टर जनरल ईडीआईआई ने मिज़ोरम एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट की स्थापना पर की चर्चा

अहमदाबाद। डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने 17 एवं 18 सितंबर 2025 को मिज़ोरम का दौरा किया। इस दौरान मिज़ोरम एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट की स्थापना को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। प्रस्तावित संस्थान राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण, कौशल विकास तथा मार्गदर्शन सहयोग प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की विशाल संभावनाओं को स्वीकार करते हुए इसके शीघ्र क्रियान्वयन का आश्वासन दिया। माननीय मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य विविध संसाधनों से परिपूर्ण है। उद्योग, कृषि, रेशम उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण तथा एमएसएमई के विकास जैसे क्षेत्र यदि सही ढंग से उपयोग में लाए जाएं तो यह अपार अवसरों के द्वार खोल सकते हैं। प्रशिक्षण, परामर्श और विचारों का इनक्यूबेशन सही संसाधनों को दिशा देकर उद्यमिता सफलता की नई श्रृंखला तैयार कर सकता है। हम ईडीआईआई के सहयोग से MEDI की स्थापना के इस सपने को साकार करने की ओर आशान्वित हैं। इस दिशा में एक विशेष समन्वय समिति का गठन किया जाएगा और विभिन्न राज्य विभागों को एक साथ लाकर इस पहल को तीव्र गति प्रदान की जाएगी।

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

Publication: khabarpatri
Date: 20 September 2025
Edition: Online
Link: https://english.khabarpatri.com/2025/09/19/chief-minister-mizoram-and-director-general-edii-discuss-the-launch-of-mizoram-entrepreneurship-development-institute-medi/

Ahmedabad : A delegation headed by Dr. Sunil Shukla, Director General of EDII, visited Mizoram on September 17 and 18, 2025, to advance discussions on the establishment of the Mizoram Entrepreneurship Development Institute (MEDI). The proposed institute aims to promote entrepreneurship in the state by providing training, skill development, and ongoing support.

Hon'ble Chief Minister, Shri Laldohoma acknowledged the huge potential of the project and ensured its quick implementation. Hon'ble CM said, *"The State abounds in diverse resources. Industry, agriculture, sericulture, food processing, and even MSME growth & development are some of the sectors which, if tapped, could open up plentiful opportunities. Training, counselling, and incubation of ideas could go a long way in tapping the right resources to build a trail of entrepreneurial successes. We look forward to EDII's support in achieving this dream of setting up MEDI. A special Coordination Committee will be formed, and various State Departments would be brought together to place this initiative on the fast track."*

During the visit, Dr. Shukla also interacted with Hon'ble Governor of Mizoram, General (Dr) Vijay Kumar Singh, PVSM, AVSM, YSM (Retd); Director, Department of Higher and Technical Education, Government of Mizoram, Shri Cheemala Siva Gopal Reddy, IAS, among several senior state officials. The Hon'ble Governor stated, "The State prides itself on its resource reserve, and these hold the capability of being converted into progressive enterprises. All I seek is that the resources must get harnessed but without affecting the ecology and the environment. Tourism especially holds huge potential and scope for entrepreneurial innovations and progress. Concepts of homestays such as Mizohuts can be explored, which I am sure would be hugely preferred by tourists. I see this initiative as highly rewarding."

Sectors such as handicrafts & handlooms, agriculture, bamboo products industry, MSMEs, pharmaceuticals, healthcare, education, etc. can be rightfully tapped to ensure viable enterprises through a specially curated strategy and module. The State is also witnessing the emergence of a creative and ambitious brigade of youth who have ideas, are eager to innovate and experiment, but require training & direction. EDII looks forward to especially focusing on youths and women, in addition to MSMEs, to create a wholesome entrepreneurial economy in Mizoram.

Opining on this landmark move, Dr. Sunil Shukla, Director General – EDII said, *"Mizoram's economy, with its unique resources, is extraordinary, and it indeed should be closely aligned with the national priorities of entrepreneurship & startup promotion. While the State machinery is highly supportive, the people are also equally cooperative, willing to learn and explore. I am sure this initiative would lead to worthwhile results."*

EDII has already hand-held 12 State Governments, in addition to the Governments of Cambodia, Laos, Myanmar, and Vietnam to set up ED Centres in their respective regions. In addition to this, recently EDII has been beckoned by several more State Governments to set up State-supported Entrepreneurship Development Centres. These include Uttarakhand, Goa, Chhattisgarh, and several other states of the North Eastern Region, in addition to Mizoram. The activities have commenced in Goa, Uttarakhand, and Chhattisgarh with tangible results.

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

Publication: Mp18news
Date: 20 September 2025
Edition: Online
Link: https://mp18news.com/news.php?id=chief-minister-%E2%80%93-mizoram-and-director-general-%E2%80%93-edii-discussed-the-establishment-of-medi-577616

अहमदाबाद: डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने 17 एवं 18 सितंबर 2025 को मिज़ोरम का दौरा किया। इस दौरान मिज़ोरम एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (MEDI) की स्थापना को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। प्रस्तावित संस्थान राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण, कौशल विकास तथा मार्गदर्शन सहयोग प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की विशाल संभावनाओं को स्वीकार करते हुए इसके शीघ्र क्रियान्वयन का आश्वासन दिया। माननीय मुख्यमंत्री ने कहा, "राज्य विविध संसाधनों से परिपूर्ण है। उद्योग, कृषि, रेशम उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण तथा एमएसएमई के विकास जैसे क्षेत्र यदि सही ढंग से उपयोग में लाए जाएं तो यह अपार अवसरों के द्वार खोल सकते हैं। प्रशिक्षण, परामर्श और विचारों का इनक्यूबेशन सही संसाधनों को दिशा देकर उद्यमिता सफलता की नई श्रृंखला तैयार कर सकता है। हम ईडीआईआई के सहयोग से MEDI की स्थापना के इस सपने को साकार करने की ओर आशान्वित हैं। इस दिशा में एक विशेष समन्वय समिति का गठन किया जाएगा और विभिन्न राज्य विभागों को एक साथ लाकर इस पहल को तीव्र गति प्रदान की जाएगी।" दौरे के दौरान, डॉ. सुनील शुक्ला ने राज्यपाल मिज़ोरम, जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम (सेवानिवृत्त); चीमला शिव गोपाल रेड्डी, आईएएस, निदेशक, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, मिज़ोरम सरकार सहित कई वरिष्ठ राज्य अधिकारियों से भी बातचीत की। राज्यपाल ने कहा, "राज्य अपने संसाधन भंडार पर गर्व करता है और इनमें प्रगतिशील उद्यमों में परिवर्तित होने की क्षमता है। मेरी केवल यही अपेक्षा है कि संसाधनों का उपयोग अवश्य हो, परंतु पारिस्थितिकी और पर्यावरण पर कोई प्रभाव न पड़े। पर्यटन विशेष रूप से अपार संभावनाओं और उद्यमी नवाचार तथा प्रगति के क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। मिजोहट्स जैसी होमस्टे की अवधारणाओं का अन्वेषण किया जा सकता है, जिनको पर्यटकों द्वारा निश्चित रूप से बडा पसंद किया जायेगा। मैं इस पहल को अत्यंत लाभकारी मानता हूँ।" हस्तशिल्प और हथकरघा, कृषि, बांस उत्पाद उद्योग, एमएसएमई, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा आदि जैसे क्षेत्रों को विशेष रूप से तैयार की गई रणनीति और मॉड्यूल के माध्यम से व्यवहार्य उद्यमों में बदला जा सकता है। राज्य में एक रचनात्मक और महत्वाकांक्षी युवा वर्ग भी उभर रहा है, जिनके पास विचार हैं, जो नवाचार और प्रयोग करने के इच्छुक हैं, लेकिन उन्हें प्रशिक्षण और दिशा की आवश्यकता है।ईडीआईआई विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ एमएसएमई पर भी ध्यान देगा, ताकि मिज़ोरम में एक समग्र उद्यमशील अर्थव्यवस्था का निर्माण हो सके। इस ऐतिहासिक कदम पर अपनी राय व्यक्त करते हुए, डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा, "मिज़ोरम की अर्थव्यवस्था अपने विशिष्ट संसाधनों के साथ असाधारण है, और वास्तव में इसे उद्यमिता और स्टार्टअप प्रोत्साहन की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ घनिष्ठ रूप से जोड़ा जाना चाहिए। जहाँ राज्य मशीनरी अत्यधिक सहायक है, वहीं लोग भी उतने ही सहयोगी हैं, सीखने और खोज करने के इच्छुक हैं। मुझे विश्वास है कि यह पहल सार्थक परिणामों की ओर ले जाएगी।"

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

Publication: Avs news
Date: 20 September 2025
Edition: Online
Link: https://avsnews.com/news.php?id=%E0%A4%B6%E0%A5%80%E0%A4%98%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%BF%E0%A4%AF%E0%A4%BE%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%B5%E0%A4%AF%E0%A4%A8-%E0%A4%95%E0%A4%BE-%E0%A4%86%E0%A4%B6%E0%A5%8D-577573

अहमदाबाद। ईडीआईआई के डायरेक्टर जनरल डॉ. सुनील शुक्ला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मिजोरम का दौरा किया। इस दौरान मिजोरम एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एमईडीआई) की स्थापना को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। प्रस्तावित संस्थान राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण, कौशल विकास तथा मार्गदर्शन सहयोग प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की विशाल संभावनाओं को स्वीकार करते हुए इसके शीघ्र क्रियान्वयन का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहाकि राज्य विविध संसाधनों से परिपूर्ण है। उद्योग, कृषि, रेशम उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण तथा एमएसएमई के विकास जैसे क्षेत्र यदि सही ढंग से उपयोग में लाए जाएं तो यह अपार अवसरों के द्वार खोल सकते हैं।

प्रशिक्षण, परामर्श और विचारों का इनक्यूबेशन सही संसाधनों को दिशा देकर उद्यमिता सफलता की नई श्रृंखला तैयार कर सकता है। दौरे के दौरान डॉ. सुनील शुक्ला ने माननीय राज्यपाल मिज़ोरम, जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम (सेवानिवृत्त), चीमला शिव गोपाल रेड्डी, आईएएस, निदेशक, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, मिज़ोरम सरकार सहित कई वरिष्ठ राज्य अधिकारियों से भी बातचीत की।

Entrepreneurship
Development
Institute of India
Ahmedabad

Publication: Marutiwani
Date: 20 September 2025
Edition: Online
Link: https://marutiwani.com/chief-minister-of-mizoram-and-director-general-of-edii-discussed-the-establishment-of-mizoram-entrepreneurship-development-institute-medi/

अहमदाबाद, 19 सितंबर 2025: A डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने 17 एवं 18 सितंबर 2025 को मिज़ोरम का दौरा किया। इस दौरान मिज़ोरम एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (MEDI) की स्थापना को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। प्रस्तावित संस्थान राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रशिक्षण, कौशल विकास तथा मार्गदर्शन सहयोग प्रदान करेगा। माननीय मुख्यमंत्री श्री लालदुहोमा ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की विशाल संभावनाओं को स्वीकार करते हुए इसके शीघ्र क्रियान्वयन का आश्वासन दिया। माननीय मुख्यमंत्री ने कहा, "राज्य विविध संसाधनों से परिपूर्ण है। उद्योग, कृषि, रेशम उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण तथा एमएसएमई के विकास जैसे क्षेत्र यदि सही ढंग से उपयोग में लाए जाएं तो यह अपार अवसरों के द्वार खोल सकते हैं। प्रशिक्षण, परामर्श और विचारों का इनक्यूबेशन सही संसाधनों को दिशा देकर उद्यमिता सफलता की नई श्रृंखला तैयार कर सकता है। हम ईडीआईआई के सहयोग से MEDI की स्थापना के इस सपने को साकार करने की ओर आशान्वित हैं। इस दिशा में एक विशेष समन्वय समिति का गठन किया जाएगा और विभिन्न राज्य विभागों को एक साथ लाकर इस पहल को तीव्र गति प्रदान की जाएगी।"

दौरे के दौरान, डॉ. सुनील शुक्ला ने माननीय राज्यपाल मिज़ोरम, जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम (सेवानिवृत्त); श्री चीमला शिव गोपाल रेड्डी, आईएएस, निदेशक, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, मिज़ोरम सरकार सहित कई वरिष्ठ राज्य अधिकारियों से भी बातचीत की। माननीय राज्यपाल ने कहा, "राज्य अपने संसाधन भंडार पर गर्व करता है और इनमें प्रगतिशील उद्यमों में परिवर्तित होने की क्षमता है। मेरी केवल यही अपेक्षा है कि संसाधनों का उपयोग अवश्य हो, परंतु पारिस्थितिकी और पर्यावरण पर कोई प्रभाव न पड़े। पर्यटन विशेष रूप से अपार संभावनाओं और उद्यमी नवाचार तथा प्रगति के क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। मिजोहट्स जैसी होमस्टे की अवधारणाओं का अन्वेषण किया जा सकता है, जिनको पर्यटकों द्वारा निश्चित रूप से बडा पसंद किया जायेगा। मैं इस पहल को अत्यंत लाभकारी मानता हूँ।"हस्तशिल्प और हथकरघा, कृषि, बांस उत्पाद उद्योग, एमएसएमई, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा आदि जैसे क्षेत्रों को विशेष रूप से तैयार की गई रणनीति और मॉड्यूल के माध्यम से व्यवहार्य उद्यमों में बदला जा सकता है। राज्य में एक रचनात्मक और महत्वाकांक्षी युवा वर्ग भी उभर रहा है, जिनके पास विचार हैं, जो नवाचार और प्रयोग करने के इच्छुक हैं, लेकिन उन्हें प्रशिक्षण और दिशा की आवश्यकता है।ईडीआईआई विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ एमएसएमई पर भी ध्यान देगा, ताकि मिज़ोरम में एक समग्र उद्यमशील अर्थव्यवस्था का निर्माण हो सके। इस ऐतिहासिक कदम पर अपनी राय व्यक्त करते हुए, डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई ने कहा,

"मिज़ोरम की अर्थव्यवस्था अपने विशिष्ट संसाधनों के साथ असाधारण है, और वास्तव में इसे उद्यमिता और स्टार्टअप प्रोत्साहन की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ घनिष्ठ रूप से जोड़ा जाना चाहिए। जहाँ राज्य मशीनरी अत्यधिक सहायक है, वहीं लोग भी उतने ही सहयोगी हैं, सीखने और खोज करने के इच्छुक हैं। मुझे विश्वास है कि यह पहल सार्थक परिणामों की ओर ले जाएगी।"ईडीआईआई पहले ही 12 राज्य सरकारों के साथ-साथ कंबोडिया, लाओस, म्यांमार और वियतनाम की सरकारों को उनके-अपने क्षेत्रों में ईडी केंद्र स्थापित करने में सहयोग प्रदान कर चुका है। इसके अतिरिक्त हाल ही में कई और राज्य सरकारों ने ईडीआईआई को राज्य समर्थित एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेंटर्स स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया है। इनमें उत्तराखंड, गोवा, छत्तीसगढ़ और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के कई अन्य राज्य शामिल हैं, मिज़ोरम के अतिरिक्त। गोवा, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ में गतिविधियाँ शुरू हो चुकी हैं और ठोस परिणाम सामने आए हैं।

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

Publication: Newzdaddy
Date: 22 September 2025
Edition: Online
Link: Mizoram Entrepreneurship Development Institute Brings Hope And Growth - Newz Daddy

Mizoram Entrepreneurship Development Institute Brings Hope And Growth

Newz Daddy Educational Updates

A delegation led by Dr Sunil Shukla, Director General – **EDII,** visited Mizoram on 17 & 18 September 2025 to take forward advanced discussions on the establishment of the Mizoram Entrepreneurship Development Institute (MEDI). The proposed Institute would work towards propagating entrepreneurship in the state by catering to training, skill development and hand-holding support.

The **Entrepreneurship Development Institute of India** (EDII) is a national institute committed to developing an entrepreneurial mindset in India. It provides training, research, and policy support. It has experience setting up state-level centres and working with government schemes. This experience helps in faster implementation. Skills and training programmes have been key tools in economic growth for many northeastern states. For example, in other states, similar institutes have reduced youth unemployment, improved incomes, and encouraged women entrepreneurs.

Hon'ble Chief Minister, Shri Laldohoma, acknowledged the huge potential of the project and ensured its quick implementation. Hon'ble CM said, "The State abounds in diverse resources. Industry, agriculture, sericulture, food processing and even MSME growth & development, are some of the sectors that, if tapped, could open up plentiful opportunities. Training, counselling and incubation of ideas could go a long way in tapping the right resources to build a trail of entrepreneurial successes. We look forward to EDII's support in achieving this dream of setting up MEDI. A special Coordination Committee will be formed, and various State Departments will be brought together to place this initiative on a fast track. "

Mizoram has rich natural resources: vast bamboo forests, fertile land for agriculture, traditional handicrafts, and a good scope in sericulture. These give strength to sectors like bamboo products, agro-forestry and handloom. MSMEs contribute significantly to India's jobs and GDP. In many states, MSME development via training and incubation has helped small enterprises scale up and enter markets beyond local. Coordination among state departments matters a lot in successful implementation. States that form strong coordination committees (departments of industries, agriculture, technical education) tend to

deliver programmes more efficiently.

During the visit, Dr. Shukla also interacted with Hon'ble Governor of Mizoram, General (Dr) Vijay Kumar Singh, PVSM, AVSM, YSM (Retd); Director, Department of Higher and Technical Education, **Government of Mizoram,** Shri Cheemala Siva Gopal Reddy, IAS, among several senior state officials. The Hon'ble Governor, stated, "The State prides on its resource reserve and these hold the capability of being converted into progressive enterprises. All I seek is that the resources must be harnessed, but without affecting the ecology and the environment. Tourism especially holds huge potential and scope for entrepreneurial innovations and progress. Concepts of homestays, such as Mizohut, can be explored, which I am sure would be hugely preferred by tourists. I see this initiative as highly rewarding."

Homestays have been used in other hill states (like Himachal Pradesh, Uttarakhand) to provide income to rural families and promote tourism while keeping environmental impact low. Mizohuts could follow these models. Eco-tourism is growing across India; services that tie local culture, crafts, cuisine, and nature trails are being preferred. This fits Mizoram's geography, ecology, and culture. Technical & higher education departments in states working with EDII often add entrepreneurship curricula, incubation centres in colleges, to reach youth early.

Sectors such as handicrafts & handlooms; agriculture; bamboo products industry; MSMEs, pharmaceuticals, healthcare, education, etc., can be rightfully tapped to ensure viable enterprises through a specially curated strategy and module. The State is also witnessing emergence of a creative and ambitious brigade of youth who have ideas, are eager to innovate and experiment but require a training & direction. EDII looks forward to especially focusing on youths and women, in addition to MSMEs, to create a wholesome entrepreneurial economy in Mizoram.

Handicrafts & handlooms: Mizoram has a strong tradition of weaving, bamboo crafts, and other artisanal products. These have both local demand and export potential. Value addition, design improvements, and market linkages help. Women's entrepreneurship has been shown to improve household incomes, social status, and decision-making. Programmes targeting women often succeed in states where gender gaps are being addressed. Youth entrepreneurship: Many young people in Mizoram are educated, connected (internet/social media), and keen to start small ventures. Support in business planning, funding, and mentorship helps convert ideas into businesses.

Opining on this landmark move, Dr Sunil Shukla, Director General – **EDII,** said, "Mizoram economy, with its unique resources, is extraordinary, and it indeed should be closely aligned with the national priorities of entrepreneurship & start-up promotion. While the State machinery is highly supportive, the people are also equally cooperative, willing to learn and explore. I am sure this initiative would lead to worthwhile results."

"Startup India" and other national programmes encourage entrepreneurship, giving incentives, funding, and incubator support. MEDI could tap into those. States where people are open to learning and exploring new ideas tend to adopt entrepreneurial ventures faster. Local culture and community support help. Handholding, mentorship, and incubation are often the missing components. Because even good ideas need support in funding, marketing, regulatory, and technology.

EDII has already held 12 State Governments, in addition to the Governments of Cambodia, Laos, Myanmar and Vietnam, to set up ED Centres in their respective regions. In addition to this, recently **EDII** has been beckoned by several more State Governments to set up State-supported Entrepreneurship Development Centres. These include Uttarakhand, Goa, Chhattisgarh and several other states of the North Eastern Region, in addition to Mizoram. The activities have commenced in Goa, Uttarakhand and Chhattisgarh with tangible results.

For example, in Goa and Uttarakhand, early centres set up by EDII have helped people start small production units, food processing, tourism services. Employment has increased locally. Cross-border or international work (Cambodia, Laos etc.) helps EDII learn diverse models of entrepreneurship under different resource, regulatory, and cultural conditions. These insights can be adapted for Mizoram. When several states show interest, it often leads to shared learning, possibly better funding or attention from the central government.

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

Publication: Times of India
Date: 20 September 2025
Edition: Online
Link: https://timesofindia.indiatimes.com/city/guwahati/edii-mizoram-plan-new-institute-to-boost-entrepreneurship/articleshow/123974952.cms

EDII, Mizoram plan new institute to boost entrepreneurship

HC Vanlalruata / TNN / Sep 18, 2025, 17:00 IST

Share AA

Entrepreneurship in Mizoram is set for a boost as EDII's Director General, Sunil Shukla, met with CM Lalduhoma to discuss establishing the Mizoram Entrepreneurship Development Institute (MEDI). Shukla proposed land allocation by the state government for MEDI, with funding potentially sourced from central schemes and CSR.

Aizawl: In a bid to bolster entrepreneurship in Mizoram, Sunil Shukla, director general of Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), met Mizoram CM Lalduhoma on Thursday. The high-level discussion, held at the chief minister's office in Aizawl, focused on the establishment of Mizoram Entrepreneurship Development Institute (MEDI), said an official statement.

Shukla proposed that the state govt provide land for the institute, which could be funded through central schemes and corporate social responsibility (CSR) initiatives. The proposed MEDI aims to empower women and students by enhancing their entrepreneurial skills.

The institute's initial five-year plan includes a focus on entrepreneurship, skill training, start-up incubation, and mentoring. Shukla also outlined a vision for MEDI to develop its own campus within eight years.

CM Lalduhoma emphasized the need for a coordinated approach, suggesting the formation of a committee to facilitate the project's implementation. The initiative requires collaboration across multiple departments, he said.

Established in 1983, EDII is headquartered in Gandhinagar, Gujarat, and operates Entrepreneurship Development Centres across several states. The meeting was attended by secretary to the CM Vanlaldina Fanai and OSD to the CM R Lalrodingi.

Entrepreneurship Development Institute of India
Ahmedabad

Publication: The Print
Date: 18 September 2025
Edition: Online
Link: https://theprint.in/india/edii-chief-calls-on-mizoram-cm-proposes-setting-up-entrepreneurship-institute/2746212/

Aizawl, Sep 18 (PTI) Entrepreneurship Development Institute of India (EDII) Director General Sunil Shukla on Thursday called on Mizoram Chief Minister Lalduhoma and discussed the feasibility of establishing the Mizoram Entrepreneurship Development Institute (MEDI), an official statement said.

Shukla informed the CM that EDII was willing to establish the Mizoram unit of the institute using CSR and other funds from central schemes if the state government provides suitable land for it, the statement said.

He said the institute will focus on entrepreneurship, skill training, startups, incubation and mentoring in the initial five years.

The institute will be strengthened and expanded to have its own campus after eight years, Shukla said.

In response, Lalduhoma assured Shukla that a coordination committee will be formed to pursue the matter effectively, the official statement said.

He said the proposal covers a vast scope as several departments have to be involved, which require wider consultation.

Established in 1983, EDII with its headquarters in Gujarat's Gandhinagar, has established entrepreneurship development centres in different states. PTI CORR MNB

This report is auto-generated from PTI news service. ThePrint holds no responsibility for its content.

Entrepreneurship Development Institute of India Ahmedabad

Publication: Uni India
Date: 18 September 2025
Edition: Online
Link: http://www.uniindia.com/establishment-of-medi-in-mizoram-mulled/east/news/3581889.html

Establishment of MEDI in Mizoram mulled

Aizawl, Sep 18(UNI) Sunil Shukla, the Director General of the Entrepreneurship Development Institute of India (EDII), and Chief Minister Lalduhoma had a meeting today to discuss the establishment of the Mizoram Entrepreneurship Development Institute (MEDI).

The discussion took place at the CM's office here.

According to an official statement, Shukla outlined the potential for setting up the institute, emphasizing that if the state government can provide the necessary land, MEDI could be developed by pooling resources from central government schemes and corporate social responsibility (CSR) initiatives.

Please log in to get detailed story.

Tags: #Establishment of MEDI in Mizoram mulled